

20/5/26

प्रार्थना पर उम्हल करे पर पश्चावली  
पेनी के ली गई वादी स्वयं एगि  
आपे बाद पश्चावली नही चलोग चाहे  
ही बाद पर इसी स्लट पर खारील  
हेड निवेड किण गण। बाद पर  
पक्षी युंकि आगे नही चलोग चाहे  
हे इल लिइ इसी स्लट पर खारील  
किण जाल ही पश्चावली केवल डोक  
बाड लकमील काखिल हमल हो

Note Recd

149  
Dhne  
H